Activity Report 15

Name of the Department/ Society of the Institute: Department of Microbiology and Biotechnology, Meerut

Title of the Activity: International Webinar on Innovation and Practices in Biological and Environmental Sciences

Name of Faculty Coordinator and Team Members: Dr. Shalini Sharma

Name of Speaker, Designation and Institution (If Applicable):

Date(s) of Activity: 28-06-2020

Time and Duration of Activity: One Day

Target Audiences: Faculty members and researchers

Number of Attendees: 191 faculties and researchers from USA, Scotland, England, Malaysia and India

Certificate Distributed (Yes/ No): Yes

Link of facebook/ You tube recording, If available:

Few Lines about Objective and Outcomes of the Activity: To create awareness among faculty members and research scholars regarding the new technologies and innovative practices being adapted in Biological and Environmental Sciences

Paste Information Leaflet here (If available):

Paste Events Snaps/ Media Coverage (If available):

'जैविक संपदा बचाने को उगाने होंगे जंगल'

जागरण संवाददाता, मेरठ : पर्यावरण की अनदेखी भविष्य में कोविड-19 से भी घातक साबित हो सकती है। जैविक संपदा संरक्षित करने के लिए अधिक पेड़ लगाने होंगे व पशु-पक्षियों के लिए जंगल उगाने होंगे। कोविड-19 से भी घातक बीमारी के विषाणु उचित ठिकाना न मिलने पर पशु-पक्षियों से इंसान में प्रवेश करेंगे। यह विचार रविवार को आरजी पीजी कालेज के वनस्पति विज्ञान विभाग और एमआइइटी की ओर से अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में प्रो. देवाशीष बनर्जी ने व्यक्त किए।

वेबिनार में यूएसए से शामिल हुई निधि सिंह जिंदल ने बताया कि ड्रग डिस्कवरी के समय को कम कर कोविड-19 की दवा बनाई जा रही है। वैसे एक दवा बाजार में लाने में लगभग दस साल का समय लगता है। सीसीएसयू की प्रतिकुलपति प्रो. वाई. विमला ने हर्बल टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी और नैनोटक्नोलॉजी के जरिए वातावरण शुद्ध करने पर जोर दिया। धरती की सुरक्षा तीनों विधाओं से हो सकती है। जीवाणु इंसानों के मददगार भी हैं। इनका सही उपयोग मानव जाति के लिए वरदान साबित हो सकता है। नैनोटक्नोलॉजी से विभिन्न रोगों का उपचार एवं रोगों से बचाव हो सकता है। वेबिनार में मलेशिया से शामिल हुए प्रो. सहदेव शर्मा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अपने महासागरों को भी बचाना होगा। समुद्र तट पर पेड़ कट रहे हैं और बसावट हो रही है। ये एक बड़ा कारण है कि आकाश झुक रहा है और समुद्र तट ऊंचे हो रहे हैं। मुख्य संरक्षक सीसीएसयू के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने वेबिनार सफल बनाने के लिए बधाई दी। प्राचार्य डा. अर्चना शर्मा ने कहा कि वेबिनार की बहुत बड़ी प्रासंगिकता है। विभागाध्यक्ष डा. मीनू गुप्ता और डा. शालिनी शर्मा भी उपस्थित रहीं।

आरजी पीजी कॉलेज में आयोजित वेबिनार में शामिल विशेषज्ञ • सौ. कालेज

सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के डा मीनू गुसाए कोआर्डिनेटर डा अमृता शर्मा मौजूद रही। बार में जानकारी दी। इसके बाद डॉ गरिमा मलिक ने डा पी कविता आदि ने भाग लिया।

इनोवेशन एंड प्रैक्टिसेज इन बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंट साइंसेज विषय पर हुआ इंटरनेशनल वेबीनार

एमआईईटी के सहयोग से हुए इंटरनेशनल वेबीनार में जुटे दुनियाभर के शिक्षाविद

(आज का बुलेटिन अतुल माहेश्वरी)

मेरठ। बागपत बाईपास क्रॉसिंग स्थित मेरठ इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बायो.टेक्नोलॉजी विभाग और माइक्रोबायोलॉजी विभाग और आरजी पीजी कॉलेज मेरठ के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहयोग से इंटरनेशनल वेबीनार का आयोजन किया गया।

वेबीनार का विषय इनोवेशन एंड प्रैक्टिसेज इन बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंट साइंसेज रहा। वेबीनार का उद्देश्य विभिन्न बायो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र और कोविड.19 आदि पर विस्तारपूर्वक जानकारी देना था। वेबीनार में देश एवं विदेश के 181 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कराकर भाग लिया।

इस दौरान वेबीनार के मुख्य संरक्षक चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के वाइस चांसलर प्रोफेसर एनके तनेजा ने वेबीनार का शुभारंभ सभी को शुभकामनाएं देते हुए करा। इस अवसर पर आरजी पीजी कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रोफेसर अर्चना शर्माए मेरठ इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बायो टेक्नोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रधानाचार्य डॉ शालिनी शर्माए डॉ मीनू गुसाए कोऑर्डिनेटर डॉ अमृता शर्मा मौजूद रही।

वेबीनार के मुख्य वक्ता डॉ निधि सिंह जिंदल ने कोविड.19 की दवा बनाने के प्रयास एवं प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता डॉ देवाशीष बनर्जी ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसेस के स्तर को कम करने के तरीके एवं कुटीर उद्योग के विकास के तरीकों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद डॉ गरिमा मलिक ने विशिष्ट अतिथियों और मुख्य वक्ता प्रोफेसर वाई विमला को आमंत्रित किया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर वाई विमला ने 21वीं सदी में प्रौद्योगिकी के बारे में बताया।

वेबीनार के विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता यूनिवर्सिटी ऑफ़ मलेशिया से डॉ सहदेव शर्मा ने जलवायु परिवर्तन के अनुकूलीकरण को बढ़ावा देने के लिए तटीय वनस्पति की भूमिका पर अपना व्याख्यान दिया। इस वेबीनार को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए डॉ दिव्याए डॉ नेहाए डॉ सोनिया और वंदिता ने आयोजन कमेटी सदस्य के रूप में कार्य किया।

कार्यक्रम की मौखिक प्रस्तुति में डॉ निशा राघवए राहुल अरोड़ाए डॉ सवानए डॉ श्वेता रानीए डॉ सीमा तलवारए डॉ पी कविता आदि ने भाग लिया।